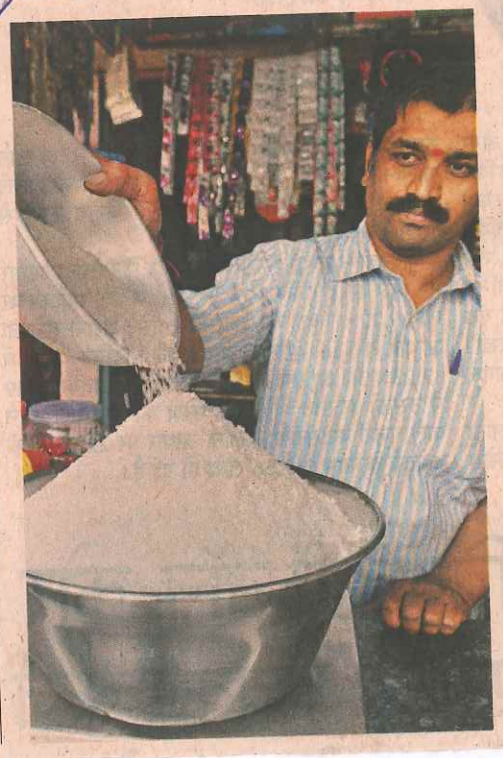

चीनी के उत्पादन पर सूखे और बाढ़ की मार

ISMA ने 2019-20 शुगर सीजन के लिए दिया पहला अनुमान, महाराष्ट्र में सर्वाधिक 45% कमी की आशंका

[जयश्री भोसले | पुणे]

पहले सूखे और उसके बाद बाढ़ की मार के चलते 2019-20 में भारत के शुगर प्रॉडक्शन में 19 पर्सेंट गिरावट आने की आशंका है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) ने यह जानकारी दी है। महाराष्ट्र के स्टेट शुगर कमिश्नर ने देश में दूसरे नंबर के चीनी उत्पादक इस राज्य से उत्पादन में सबसे अधिक 45 पर्सेंट की गिरावट आने की आशंका जताई है।

हालांकि घरेलू मांग और निर्यात की जरूरतों को पूरा करने के बाद भी देश में अतिरिक्त क्लोजिंग स्टॉक रहेगा। 2019-20 शुगर सीजन के लिए अपने पहले अनुमान में ISMA ने एथेनॉल के लिए शीरा/रस के निकलने से चीनी उत्पादन पर पड़ने वाले असर को दरकिनार करते हुए करीब 268.5 लाख टन शुगर प्रॉडक्शन होने की उम्मीद जताई है। हालांकि एथेनॉल के लिए डायवर्जन होने पर उसने शुगर प्रॉडक्शन गिरकर करीब 260 लाख टन होने का अनुमान लगाया है। 2019-20 में देश के कुल शुगर प्रॉडक्शन में महाराष्ट्र के उत्पादन में आई गिरावट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

- ISMA ने 2019-20 में महाराष्ट्र के कुल शुगर प्रॉडक्शन के 40% गिरकर 62 लाख टन होने का अनुमान दिया है

महाराष्ट्र के शुगर कमिश्नर शेखर गायकवाड़ ने कहा, 'राज्य में बाढ़ के प्रभाव के चलते हम पेराई के लिए कुल 518 लाख टन गन्ने के उपलब्ध होने की उम्मीद कर रहे हैं। पिछले वर्ष के 107 लाख टन शुगर प्रॉडक्शन के मुकाबले इस वर्ष महाराष्ट्र में कुल करीब 58 लाख टन शुगर प्रॉडक्शन होगा।' गायकवाड़ का मानना है कि इस वर्ष गन्ने की कमी के चलते राज्य की 36 मिलें चालू नहीं होंगी। इधर, शुगर ट्रेडर प्रफुल्ल विथलानी का मानना है कि राज्य के कुछ हिस्सों में मॉनसून के लौटने से दोबारा हुई बारिश के चलते पैदावार अच्छी होगी। इसके चलते महाराष्ट्र का शुगर प्रॉडक्शन 63 लाख टन तक पहुंच सकता है। ISMA ने 2019-20 में महाराष्ट्र के कुल शुगर प्रॉडक्शन के 40 पर्सेंट गिरकर 62 लाख टन होने का अनुमान दिया है। 2018-19 शुगर सीजन में महाराष्ट्र का कुल शुगर प्रॉडक्शन 331.61 लाख टन था। ISMA ने कहा, 'इसमें 1 अक्टूबर 2018 को 107 लाख टन का ओपनिंग बैलेंस, 38 लाख टन एक्सपोर्ट और 255 लाख टन की बिक्री शामिल है। इसके बाद 30 सितंबर, 2019 को 145.81 लाख टन क्लोजिंग बैलेंस होने का अनुमान था।'

8 लाख टन एक्सपोर्ट के लिए इंडिया ने किया कॉन्ट्रैक्ट

ISMA ने बताया कि 60 लाख टन की नई मैक्सिमम एडमिसिबल एक्सपोर्ट क्वॉन्टिटी (MAEQ) तय की गई है और कई शुगर कंपनियों ने करीब 7 से 8 लाख टन शुगर के एक्सपोर्ट का कॉन्ट्रैक्ट कर लिया। शुगर एक्सपोर्टर प्रफुल्ल विथलानी ने एशियन मार्केट्स में भारतीय शुगर की अच्छी डिमांड होने की पुष्टि की है। विथलानी ने कहा, 'ज्यादातर कॉन्ट्रैक्ट ईरान के साथ साइन किए गए हैं। वहां से हमें अच्छी डिमांड मिली है।' बांग्लादेश और पश्चिम एशियाई देशों ने भी भारतीय चीनी की खरीदारी में रुचि दिखाई है।

Economic Times.
06-11-19